RNI Title Code : MPBIL02445

सेवा मंथन

वर्ष 2 अंक 11 (पाक्षिक) इन्दौर, 1 से 15 जून 2022 पृष्ठ 8 मूल्य 10 रुपये

वाराणसी कोर्ट ने लिया अंडरटेकिंग, सर्वे से संबंधित फोटो-वीडियो नहीं हो सार्वजनिक

कुछ ही समय बाद ही हो गया लीक,हिंदू पक्ष ने बताया साजिश

वाराणसी। वाराणसी कोर्ट ने कल चल रहे काशी विश्वनाथ-ज्ञानवापी मस्जिद विवाद के पक्षों को अदालत द्वारा नियुक्त सर्वेक्षण आयोग द्वारा लिए गए वीडियो और तस्वीरों की प्रतियां प्राप्त करने की अनुमति दी थी। 19 मई को कोर्ट में सर्वे रिपोर्ट, वीडियो और तस्वीरें पेश की गईं। कोर्ट का 30 मई का आदेश एक चेतावनी के साथ आया था कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए, वीडियो और तस्वीरों का इस्तेमाल विवाद के पक्षकारों द्वारा केवल आयुक्त की रिपोर्ट के

खिलाफ आपत्ति दर्ज करने के लिए और अदालत की अनुमति के बिना, तस्वीरों और तस्वीरों का इस्तेमाल सार्वजनिक नहीं की जाएगी।

कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया था कि वाद में पक्षकारों को केवल वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी की प्रतियां प्रदान की जाएंगी और पक्षों को एक वचन/वचनबद्धता भी प्रस्तुत करनी होगी कि इसे सार्वजनिक रूप से साझा नहीं किया जाएगा। चारों महिलाओं ने अदालत में यह अंडरटेकिंग दी थी कि वो सर्वे से संबंधित फोटो-वीडियो कहीं सार्वजनिक नहीं करेंगी। सिर्फ मुकदमे के लिए ही फोटो-वीडियो का इस्तेमाल किया जाएगा। यह आदेश 5 हिंदू महिला उपासकों / वादी द्वारा आयोग की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी की प्रतियां मांगने के लिए एक आवेदन पर आया था। हालांकि मस्जिद कमेटी ने वीडियो को सार्वजनिक करने की मांग का विरोध किया था।

हालांकि, रिपोर्ट जमा करने के कुछ ही समय बाद, वीडियो और तस्वीरें लीक हो गईं और सर्वेक्षण के वीडियो वायरल हो गए। कई मीडिया पोर्टलों ने अपने समाचार चैनल पर सर्वेक्षण वीडियोग्राफी की सामग्री प्रदर्शित की। हिंदू पक्ष ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके दावा किया- ज्ञानवापी सर्वे के फोटो-वीडियो को साजिश के तहत वायरल किया गया है। हमारे चारों लिफाफे अभी भी सील हैं। उन्हें खोला ही नहीं गया है। हम लोग कोर्ट से इस प्रकरण की शिकायत करेंगे और अपने लिफाफे वापस लौटा देंगे।

देश के शहीदों को मिला सम्मान

रक्षा अलंकरण समारोह में राष्ट्रपति श्री कोविंद ने प्रदान किया वीरता पुरस्कार

नई दिल्ली। राष्ट्रपति कोविंद ने रक्षा अलंकरण समारोह 2022 के दूसरे चरण में वीरता पुरस्कार प्रदान किए। इस दौरान उन्होंने

118 सीआरपीएफ, गुंड (जम्मू-कश्मीर) के हेड कांस्टेबल कुलदीप कुमार उरावन को उनकी वीरता के लिए दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में शौर्य चक्र (मरणोपरांत) से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने उनकी पत्नी बंदना उरावन को यह पुरस्कार दिया। 204 कोबरा सीआरपीएफ कांस्टेबल विकास कुमार की पत्नी नंदिनी देवी और मां कलेशिया को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद से उनका शौर्य चक्र (मरणोपरांत) मिला।204 कोबरा सीआरपीएफके हेड कांस्टेबल अजीत सिंह को मरणोपरांत 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया। उनकी पत्नी अनीता देवी को रक्षा अलंकरण समारोह 2022 में राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद से वीरता पुरस्कार मिला। एसपीओ शाहबाज अहमद को राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद द्वारा रक्षा अलंकरण समारोह - 2022 में 'शौर्य चक्र' (मरणोपरांत) से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उनके पिता अब्दुल अजीज ने ग्रहण किया। ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह ने 2020 में एक उड़ान के दौरान अपने एलसीए तेजस लड़ाकू विमान को बचाने के लिए शौर्य चक्र (मरणोपरांत) से सम्मानित किया। यह पुरस्कार उनकी पत्नी गीतांजलि सिंह और मां उमा सिंह ने ग्रहण किया। ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह ने 8 दिसंबर, 2021 को हेलिकॉप्टर दुर्घटना के दौरान अपनी जान गंवा दी, जिसमें सीडीएस जनरल बिपिन रावत और 13 अन्य लोगों की जान चली गई।

दिल्ली में तूफानी बारिश : पेड़ उखड़े, कारें क्षतिग्रस्त, 70 उड़ानों में विलंब

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में सोमवार को तेज हवाओं के साथ भारी बारिश से कई कारें क्षतिग्रस्त हो गयी, सड़कों पर जाम लग गया, कई पेड़ उखड़ गए और बिजली गुल हो गयी। बारिश से दिल्ली के कई इलाकों में जलभराव भी हो गया। राष्ट्रीय राजधानी में आंधी के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर कम से कम पांच उड़ानों का मार्ग परिवर्तित किया गया और 70 उड़ानों में विलंब हुआ। अधिकारियों ने बताया कि आंधी-तूफान के कारण दिल्ली से रवाना होने वाली कम से कम 40 और यहां आने वाली 30 उड़ानों में विलंब हुआ। यहां आने वाली कम से कम पांच उड़ानों का मार्ग परिवर्तित किया गया।

मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, दिल्ली में शाम साढ़े पांच बजे तक 17.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गयी। सोशल मीडिया पर पोस्ट वीडियो

में तेज हवाओं के कारण कारों को हिलते हुए देखा जा सकता है। बारिश के बाद पेड़ उखड़ने के वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुए। कई स्थानों पर तेज हवाओं के कारण पेड़ गिरने से वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। पश्चिमी दिल्ली से भारतीय जनता पार्टी के सांसद प्रवेश साहिब सिंह वर्मा की कार भी क्षतिग्रस्त हो गयी। विंडसर प्लेस में उनके आधिकारिक आवास पर खड़ी कार पर पेड़ गिर गया।

समीर वानखेड़े पर गिरी गाज! इस शहर में हुआ तबादला, आर्यन खान को किया था गिरफ्तार

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को गिरफ्तार करने वाले पूर्व नारकोटिक कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) अधिकारी समीर वानखेड़े का तबादला हो गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, समीर वानखेड़े को डीजीटीएस चेन्नई

में तबादला हुआ है। दरअसल, समीर वानखेड़े की तबादले की खबर मुंबई क्रूज ड्रग्स मामले में एनसीबी द्वारा आर्यन खान को क्लीनचिट देने के 2 दिन बाद आई है। समीर वानखेड़े का एनसीबी मुंबई के निदेशक के रूप में कार्यकाल बीते 31 दिसंबर को समाप्त हो गया था। जिसके बाद डीआरआई (राजस्व खुफिया निदेशालय) में नियुक्ति हुई थी और आर्यन खान मामले में एनसीबी द्वारा कार्रवाई के संकेत दिए जाने के बाद समीर वानखेड़े का डीजीटीएस चेन्नई में तबादला हो गया।

घोड़े-खच्चरों की मौत का राज्य सरकार ने लिया संज्ञान

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ पैदल मार्ग पर घोड़े और खच्चरों की मौत पर राज्य सरकार ने संज्ञान लिया है। अभी तक हुई मौतों की जांच के लिए पांच सदस्यीय कमेटी गठित करने के साथ ही घोड़े-खच्चरों को एक-एक दिन के अंतराल में आराम देने की व्यवस्था कर दी गई है। केदारघाटी में यात्रा शुरू होने के बाद से लगातार घोड़े और खच्चरों की मौत हो रही है। अभी तक हुई मौतों की जांच के लिए पांच सदस्यीय कमेटी गठित करने के साथ घोड़े-खच्चरों को एक-एक दिन के अंतराल में आराम देने की व्यवस्था कर दी गई है। पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी ने राज्य सरकार को पत्र लिखा था।

जिला प्रशासन को उनके स्वास्थ्य की देखभाल के लिए 20 सदस्यीय कमेटी बनाने के निर्देश दिए हैं। केदारघाटी में यात्रा शुरू होने के बाद से लगातार घोड़े और खच्चरों की मौत हो रही है। उनके स्वास्थ्य की देखभाल की समुचित व्यवस्था न होना इसका कारण सामने आ रहा है। हालिया दिनों में पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी ने भी इस पर चिंता जाहिर करते हुए राज्य सरकार को पत्र लिखा था।

उचित दाना-पानी न पाया गया तो खच्चर मालिक पर प्राथमिकी दर्ज करें-रविवार को रुद्रप्रयाग पहुंचे पशुपालन मंत्री सौरभ बहुगुणा ने अधिकारियों के साथ इस संबंध में बैठक की। अब तक हुई मौतों की जांच के लिए पशु चिकित्सक, पुलिस, जिला पंचायत एवं जिला प्रशासन के प्रतिनिधियों की संयुक्त कमेटी बनाने के निर्देश दिए। मंत्री ने स्पष्ट किया कि घोड़े-खच्चरों की मौत की जांच में मरने का कारण यदि उन्हें उचित दाना-पानी न मिलना पाया गया तो खच्चर मालिक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करें। मंत्री ने पशु चिकित्सक का प्रमाण पत्र जारी होने पर ही घोड़े-खच्चरों का संचालन करना सुनिश्चित करने की बात कही। पशुपालन मंत्री ने कहा कि यात्रा में इस्तेमाल किए जा रहे पशुओं को अच्छा चारा उपलब्ध हो, इसकी प्रशासनिक अधिकारी निरंतर निगरानी करें।

जिन बच्चों ने कोरोना से माता-पिता को खोया, उनकी तकलीफ शब्दों में कहना मुश्किल है-पीएम नरेन्द्र मोदी

इंदौर। कोरोना के कारण माता-पिता को खोने वाले प्रदेश के बच्चों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये चर्चा की। इन बच्चों को पीएम केयर फार चिल्ड्रन योजना के तहत पासबुक और पीएम जन आरोग्य योजना के कार्ड दिए गए। इंदौर जिले में ऐसे 29 बच्चे हैं, जिन्हें योजना का लाभ दिया जाएगा। इनमें से 28 बच्चे 18 वर्ष से कम उम्र के हैं। एक बालिका जो 18 वर्ष से ज्यादा उम्र की है, उसे ही कार्यक्रम में शामिल किया गया है। प्रधानमंत्री ने योजना के तहत राशि बच्चों के खाते में जमा की। आरंभ में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने योजना से जुड़ी छोटी फिल्म के माध्यम से योजना की जानकारी दी।

प्रधानमंत्री ने संबोधित करते हुए कहा कि आज मैं प्रधानमंत्री के तौर पर नहीं, बल्कि परिवार से सदस्य के रूम में बात कर रहा हूं। ऐसी परिस्थिति की हमने कल्पना भी नहीं की थी, अचानक अंधेरा छा जाता है, कोरोना ने अनेकों के जीवन में ऐसा ही किया हैं। कोरोना के कारण जिन्होंने अपनों को खोया है उनके लिए यह बदलाव कठिन हैं। आज जो बच्चे हमारे साथ हैं, उनकी तकलीफ शब्दों में कहना मुश्किल हैं। जो चला जाता हैं उसकी चंद यादें होती हैं, लेकिन जो रह जाता है उसके सामने चुनौती का अम्बार होता हैं। बच्चों की मुश्किल कम करने का छोटा सा प्रयास हैं पीएम केयर्स फार चिल्ड्रन।

उच्च शिक्षा में बच्चों की मदद करेंगे - यह संदेश हैं कि पूरा देश आपके साथ है। पीएम केयर्स के जरिये ऐसे बच्चों की शिक्षा, कापी-किताब का खर्चा उठाया जाएगा। उच्च शिक्षा के लिए भी मदद की जाएगी। ऐसे बच्चे जब स्कूल की पढ़ाई पूरी करेंगे तो आगे के लिए और पैसों की जरूरत होंगी। 23 साल की उम्र में 10 लाख रुपये व प्रतिमाह मानदेय मिलेगा। आयुष्मान कार्ड भी मिलेगा जिससे पांच लाख तक का इलाज मुफ्त मिलेगा। बच्चों को भावनात्मक सहयोग व मार्गदर्शन की जरूरत होंगी। विशेष संवाद सेवा शुरू किया है, बच्चे उनसे सलाह ले सकते हैं।

मैं आपके साहस को सलाम करता हूं - आपने जिस साहस और हौसले से इस संकट का सामना किया उसे सलाम करता हूं। पूरा देश आपके साथ है। कोई भी सहयोग माता पिता के सहयोग की भरपाई नहीं कर सकता। इस संकट की घड़ी में सभी भारतीय आप सभी बच्चों के साथ है। पीएम केयर्स योजना के जरिये देश अपनी जिम्मेदारी के निर्वहन का और प्रयास कर रहा है। सेवा और त्याग के कैसे कैसे उदाहरण सामने आए। इस फंड ने कोरोनाकाल में अस्पताल बनाने, सुविधाएं जुटाने में मदद की। आज यह फंड उन बच्चों के काम आ रहा है जिनके माता पिता छोड़ गए हैं।

राज्यसभा चुनाव : भाजपा ने कविता पाटीदार को बनाया उम्मीदवार, कांग्रेस से तन्खा भरेंगे नामांकन

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश महामंत्री कविता पाटीदार को राज्यसभा भेजने का निर्णय करके एक बार फिर सबको चौंका दिया। नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव के पहले इस कदम के जरिए पार्टी ने ओबीसी वर्ग को बड़ा संदेश देने का काम किया है। कविता ओबीसी वर्ग से आती हैं। वहीं, महिला को आगे करके पचास प्रतिशत आबादी को भी संदेश दिया है। मध्य प्रदेश से राज्यसभा के तीन स्थान जून में रिक्त हो रहे हैं। इसके लिए दस जून को चुनाव होना है। दलीय स्थिति के अनुसार दो सीट भाजपा और एक कांग्रेस को मिलना तय है। कांग्रेस ने मौजूदा राज्यसभा सदस्य विवेक तन्खा को फिर से उम्मीदवार बनाया है। वहीं, भाजपा ने रविवार को कविता पाटीदार को उम्मीदवार बना दिया। इसके माध्यम से पार्टी ने कई समीकरण साधने का काम किया है। ओबीसी आरक्षण को लेकर कांग्रेस द्वारा उठाए जा रहे सवाल का यह जवाब भी है और सबसे बड़े वर्ग के लिए संदेश भी है कि पार्टी ही ओबीसी हितैषी है। वहीं, पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा को मालवा-निमाड़ क्षेत्र में नुकसान हुआ था। पाटीदार अब इस क्षेत्र के लिए बड़ा चेहरा होंगी।

विवेक तन्खा को कांग्रेस ने उम्मीदवार किया घोषित- मध्य प्रदेश से रिक्त हो रही राज्यसभा की तीन सीटों में से एक कांग्रेस को विधानसभा में दलीय स्थिति के आधार पर मिलना तय है। इसके लिए पार्टी ने वर्तमान राज्यसभा सदस्य विवेक तन्खा को ही उम्मीदवार बनाया है।

प्रदेश के 75 आयुष ग्रामों में ग्रामीणों का डाटाबेस सॉफ्टवेयर तैयार

भोपाल। प्रदेश में केन्द्र सरकार की राष्ट्रीय आयुष मिशन योजना के अंतर्गत आयुष विभाग द्वारा 75 आयुष ग्राम की स्थापना की गई है। योजना का उद्देश्य आयुष चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से ग्रामीणजन के स्वास्थ्य को उत्तम बनाये रखना है। आयुष विभाग द्वारा चयनित प्रत्येक आयुष ग्राम की समस्त जनसंख्या का स्वास्थ्य पत्रक तैयार किया गया है। आयुष चिकित्सकों के दल द्वारा इन ग्रामों के 37 हजार परिवारों के एक लाख 60 हजार व्यक्तियों का स्वास्थ्य सर्वेक्षण कर सर्वे के रिकॉर्ड का डाटाबेस सॉफ्टवेयर में दर्ज किया गया है। इसके विश्लेषण के आधार पर ग्राम की स्वास्थ्य स्तर की रिपोर्ट तैयार कर ग्राम की स्वास्थ्य संबंधी भविष्य की कार्य-योजना निर्धारित की गई है। प्रत्येक आयुष ग्राम को कुपोषण, रक्तचाप एवं मलेरिया मुक्त बनाना भी प्रमुख उद्देश्य है। आयुष विभाग के मैदानी अमले द्वारा गर्भवती महिला एवं शिशु देखभाल संबंधी जागरूकता भी प्रदान की जा रही है।

आयुष विभाग का मैदानी अमला कुपोषण अभियान, एनीमिया, परिवार कल्याण एवं टीकाकरण आदि स्वास्थ्य

विभाग द्वारा संचालित योजनाओं में भी सहयोग प्रदान कर रहा है। आयुष ग्राम में निरंतर रूप से योग शिविरों का आयोजन भी किया जा रहा है। इन शिविरों में ग्रामीणों को आयुष चिकित्सा पद्धतियों में वर्णित आहार आदतों तथा जीवन-शैलियों एवं मौसमी बीमारियों और उनकी रोकथाम आदि के प्रति भी जागरूक किया जा रहा है। आयुष ग्रामों एवं औषधालयों में जन-सामान्य के लिये उपयोगी औषधीय पौधों आँवला, गिलोय, सहजन आदि रोपण कर औषधीय हर्बल गार्डन भी विकसित किये जा रहे हैं। आयुष विभाग चिकित्सा सेवाओं को आमजन तक पहुँचाने के लिये निरंतर प्रयास कर रहा है। प्रदेश में 22 आयुष विंग तथा दो 50 बिस्तरीय आयुष चिकित्सालयों की स्थापना की स्वीकृति प्रदान की गई है। पूर्व में स्वीकृत भोपाल स्थित 50 बिस्तरीय आयुष चिकित्सालयों का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। इसके संचालन से आमजन को पंचकर्म की विशेष चिकित्सा सुविधा का लाभ प्राप्त होगा।

दतिया कलेक्टर कार्यालय में पदस्थ क्लर्क देवेंद्र मुडिया के घर पर लोकायुक्त छापा

दतिया। दतिया कलेक्टर कार्यालय में पदस्थ क्लर्क देवेंद्र मुडिया के घर पर लोकायुक्त टीम ने सोमवार सुबह छापा मारा है। लोकायुक्त ने यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति रखने के मामले में की है। लोकायुक्त की कार्रवाई अभी जारी है। साथ ही लोकायुक्त टीम ने अभी तक यह जानकारी नहीं दी है कि क्लर्क के घर से क्या क्या मिला है। लोकायुक्त ग्वालियर की टीम सोमवार सुबह करीब पांच बजे दतिया पहुंची और कलेक्टर कार्यालय में पदस्थ क्लर्क देवेंद्र कुमार मुडिया के घर पर छापा मारा। इस दौरान लोकायुक्त टीम के साथ स्थानीय पुलिस भी मौजूद थे। लोकायुक्त टीम ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में कार्रवाई की है। मौके से लोकायुक्त टीम ने संपत्तियों के दस्तावेज सहित नगदी व गहने आदि जप्त किए हैं। हालांकि अभी टीम ने कोई जानकारी नहीं दी है।

पहली बार होगा पार्षद पदों के निर्वाचन व्यय लेखा का प्रावधान

इन्दौर। आयुक्त राज्य निर्वाचन आयोग श्री बसंत प्रताप सिंह ने जानकारी दी है कि नगरीय निकाय निर्वाचन में पहली बार पार्षद पदों के निर्वाचन व्यय लेखा का प्रावधान किया गया है। इसके पहले महापौर एवं अध्यक्ष पद के उम्मीदवारों के व्यय लेखा का संधारण किया जाता था।

रिटर्निंग आफीसर कार्यालय में निर्वाचन व्यय लेखा संधारण पर्यवेक्षण के लिए हेल्प डेस्क स्थापित करने के निर्देश भी दिये गए हैं।

सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री राकेश सिंह ने जानकारी दी है कि पार्षद पदों के निर्वाचन व्यय की अधिकतम सीमा, नगरपालिक निगम में जनगणना 2011 के अनुसार 10 लाख से अधिक जनसंख्या पर 8 लाख 75 हजार और 10 लाख से कम जनसंख्या पर 3 लाख 75 हजार होगी। इसी तरह नगरपालिका परिषदों में एक लाख से अधिक जनसंख्या पर 2 लाख 50 हजार, 50 हजार से एक लाख तक की जनसंख्या पर एक लाख 50 हजार और 50 हजार से कम जनसंख्या पर पार्षदों के निर्वाचन व्यय की अधिक व्यय सीमा एक लाख रूपये होगी। नगर परिषदों के लिए अधिकतम व्यय सीमा 75 हजार रूपये होगी

महापौर- 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगरपालिक निगमों में 35 लाख और 10 लाख से कम जनसंख्या वाले नगरपालिक निगमों में महापौर पद के अभ्यार्थियों के निर्वाचन व्यय की अधिकतम सीमा 15 लाख रूपये निर्धारित है।

इंदौर के पितृ पर्वत पर 1100 भक्त करेंगे सुंदरकांड का पाठ, निकलेगी कलश यात्रा

इंदौर। पितृ पर्वत पर शिवशक्ति साधना समिति के तत्वावधान में आयोजित नौ दिवसीय शिवशक्ति महायज्ञ 1 जून से होगा। इस अवसर पर सुबह 8.30 बजे पितृ पर्वत स्थित प्राचीन शिव मंदिर से 151 महिलाओं द्वारा कलश पूजन एवं कलश यात्रा निकाली जाएगी। यह कलश यात्रा यज्ञशाला एवं मार्ग की परिक्रमा करने के उपरांत मंडप प्रवेश करेगी। 4 जून को 1100 भक्त यहां एक साथ सुंदरकांड का पाठ करेंगे। 7 जून को भजन गायक कन्हैया मित्तल की भजन संध्या भी होगी। पितृ पर्वत पर आयोजन समिति की बैठक में सभी

कार्यक्रमों को अंतिम रूप दिया गया। यज्ञ के दौरान प्रतिदिन सुबह 9 से 12 एवं दोपहर 3 से 6 बजे तक दो पारियों में 25 कुंडों पर 200 ब्राह्मणों के निर्देशन में महायज्ञ होगा। 31 मई को सुबह 9 बजे से महायज्ञ में शामिल होने वाले करीब 200 यजमानों का प्रायश्चित विधान होगा। इसके अंतर्गत सबसे पहले हेमाद्रि संकल्प, मृत्तिका भस्म, पंचगव्य, गोबर, स्वर्ण आदि पदार्थों से दसविद स्नान, पापहा महाविष्णु पूजन, पूर्वांग हवन, उत्तरांग हवन, दसदान सहित यज्ञोपवित धारण कराया जाएगा। 1 जून को सुबह 8.30 बजे पितृ पर्वत स्थित प्राचीन शिव मंदिर से 151 महिलाओं द्वारा मंगल कलश यात्रा निकाली जाएगी। यह मंगल कलश यात्रा सम्पूर्ण यज्ञशाला एवं परिक्रमा मार्ग का भ्रमण करते हुए हनुमानजी की साक्षी में यज्ञशाला में मंडप प्रवेश करेगी। मंडप प्रवेश के बाद प्रधान संकल्प, पंचांग कर्म, मंडल स्थापना, अग्नि स्थापन तथा गृहशांति हवन के अनुष्ठान होंगे।

7 जून को होगी भजन संध्या - 2 जून को मंडलस्थ देवताओं के पूजन के बाद हवन प्रारंभ होगा। यह क्रम 9 जून तक चलेगा। इस दौरान 4 जून को शाम 7 बजे से 1100 भक्तों द्वारा सुंदरकांड के सामूहिक पारायण का आयोजन पं. राजेश मिश्रा एवं उनके साथियों द्वारा किया जाएगा। 7 जून को को शाम 7 बजे से भजन गायक कन्हैया मित्तल की भजन संध्या होगी। पूर्णाहूति 9 जून को गंगा दशहरा के उपलक्ष्य में अभिजित मुहूर्त में महाआरती के साथ होगी। इस महायज्ञ में उत्तराखंड, महाराष्ट्र, राजस्थान, दिल्ली एवं मध्य प्रदेश के मालवा-निमाड़ तथा बुंदेलखंड अंचल के श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

बस्तियों में पहुंची महिला थाना पुलिस बच्चियों को समझाया गुड टच बेड टच

इंदौर। इंदौर में महिला थाना की पुलिस बस्तियों में पहुंची और वहां की बच्चियों को गुड टच बेड टच के बारे में समझाया। पुलिस ने यह भी समझाया कि यदि कोई उन्हें गलत तरीके से छूटा तो अपने माता-पिता को यह बात बताएं। इसके बाद पुलिस उस अपराधी को सजा देगी। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार चलाए जा रहे अभियान एहसास के अंतर्गत वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में इंदौर महिला थाना की टीम बस्तियों में पहुंची। इस टीम में उप निरीक्षक दुर्गा सूर्यवंशी, आरक्षक वंदना, सीमा, सपना शामिल थी। टीम पहले लालबाग के पास बस्ती में पहुंची। टीम के साथ होमगार्ड सैनिक संजय सांवरे भी थे, जो बस्ती में छोटी बच्चियों और बच्चों को पढ़ाते हैं। पुलिस टीम ने पांच साल से 12 साल की उम्र तक की बच्चियों के साथ पारिवारिक होकर मधुरता के साथ घुल मिलकर बातचीत की। अनजान व्यक्तियों की बातों में न आएं- पुलिस टीम ने बच्चियों को गुड टच बेड टच क्या होता है, इसके बारे में पूरी जानकारी दी। उन्हें बहुत ही आसान शब्दों में हर एक बात को उनकी भाषा में उनकी समझ के अनुसार बताया गया। बच्चियों को बताया गया कि वे किसी भी अनजान व्यक्ति की गलत बातों में नहीं आना है और किसी पर भी अत्यधिक विश्वास नहीं करना है। कोई भी यदि गलत फायदा उठाता है तो स्कूल में टीचर को और घर में मां से सारी बातों को बताना है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर साइकिल रैली 5 को

ग्वालियर। यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ग्वालियर द्वारा विश्व

पर्यावरण दिवस पर साइकिल रैली का आयोजन 5 जून को किया जाएगा ।साइकिल रैली महाराज बाड़े इसकी सुबह 5:45 बजे हरी झंडी दिखाकर रवाना होगी रैली जनक गंज हनुमान चौराहा नई सड़क का ताजिया गुरुद्वारा जयेंद्रगंज अचलेश्वर मंदिर होते हुए थीम रोड पर आकर समाप्त होगी। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को पौधे भेंट किए जाएंगे दिल्ली में एनसीसी कैडेट कॉलेज स्कूल के छात्र छात्राएं सहित आमजन भाग लेंगे।

अब नर्मदा के पानी की 24 घंटे होगी निगरानी

भोपाल। प्रदेश की जीवन रेखा नर्मदा को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड मोर्चा संभालेगा। नर्मदा नदी के पानी की जांच के लिए मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सेठानी घाट पर नई मशीन लगा रहा है। यह मशीन 24 घंटे पानी की जांच करती रहेगी। साथ ही सेठानी घाट पर एक डिस्पले बोर्ड भी लगाया जाएगा। इस बोर्ड में पानी की जांच की जानकारी हर मिनट अपडेट होगी। लगभग 25 लाख की लागत से यह सिस्टम तैयार किया जा रहा है।

राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के कार्यालय में सर्विलांस सिस्टम है जो कंट्रोल रूम का काम करता है। नर्मदा नदी पर लगाए जाने वाले सर्विलांस सिस्टम इससे जुड़ेगा। जो 24 घंटे पानी की गुणवत्ता से जुड़ी रिपोर्ट देते

रहेंगे। ये सिस्टम पानी में तय स्तर से अधिक प्रदूषण मिलने पर अलर्ट मैसेज भी देंगे। इस आधार पर सरकार कार्रवाई करेगी।

नदी के पानी में पीएच, डिजॉल्व ऑक्सीजन, बायोलॉजिकल ऑक्सीजन डिमांड, क्लोराइड, सल्फेट, टी हार्डनेस, कैल्सियम हार्डनेस, तापमान, एफ-कोलिफॉम, टी-कोलिफॉम, सोडियम, पोटेशियम, मैग्नेशियम एच, टी-सॉलिड, डी-सॉलिडस, एस-सॉलिड सहित अन्य मानकों पर पानी की जांच की जाएगी।

पर्यावरण विभाग और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने नर्मदा नदी में 10 अन्य स्थानों को स्टेशन लगाने के लिए चिंहित किया है। इन स्थानों में डिंडोरी, मंडला, नरसिंहपुर जिले का बरमान घाट, सीहोर जिले में शाहगंज, देवास जिले का नेमावर, खंडवा में ओंकारेश्वर, मंडलेश्वर, धार जिले के धरमपुरी, बड़वानी के राजघाट और आलीराजपुर के ककराना घाट शामिल है।

नर्मदा के पानी की शुद्धता जांचने के लिए सेठानी घाट पर ऑनलाइन मॉनीटरिंग सिस्टम तैयार किया जा रहा है। नर्मदापुरम शहर के साथ ही पचमढ़ी में हवा की जांच करने के लिए मशीन लगाई जाएंगी।

-डॉ. प्रवीण कोठारी, जेई, मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

इंदौर में बनेगा अहिल्या स्मारक, लता मंगेश्कर के नाम पर होगा राजेंद्र नगर सभागृह

इंदौर। देवी अहिल्याबाई होलकर के नाम पर स्मारक बनाया जाएगा। इसके लिए एक ट्रस्ट का गठन किया जाएगा जिसकी अध्यक्ष पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन होंगी। स्वर कोकिला लता मंगेशकर ने भी इंदौर की इसी धरती पर जन्म लिया था। आइडीए द्वारा राजेंद्र नगर में बनाए जा रहे सभागृह को उनका नाम दिया जाएगा। चौबीस करोड़ की लागत का यह सभागृह 1500 सीटर होगा, जिसका काम आठ महीने में पूरा कर लिया जाएगा। साथ ही चिमनबाग के संगीत महाविद्यालय को विशाल रूप देकर इसका उन्नयन किया जाएगा। इसका नामकरण भी लता मंगेशकर के नाम पर किया जाएगा।

नेहरू स्टेडियम में मंगलवार को इंदौर गौरव दिवस के मुख्य समारोह में मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने यह घोषणा की तो तालियों की गड़गड़ाहट से मैदान गूंज उठा। मुख्यमंत्री ने इंदौर की स्वच्छता, संस्कृति, खानपान, दानशीलता और जनभागीदारी जैसी खूबियों को गिनाते हुए कहा कि इंदौर मालवा के मुकुट की मणि है। इंदौर ने सात दिन का गौरव दिवस उत्सव मनाकर अद्भुत कार्य किया है। इंदौर ने आज एक और अद्भुत काम किया है। आंगनवाड़ियों को बेहतर बनाने के लिए 8.50 करोड़ रुपये का दान दिया है। मुख्यमंत्री ने समारोह में मौजूद नागरिकों को दोनों हाथ ऊपर उठवाकर और मुट्ठी बंधवाकर संकल्प दिलाया कि हम अपने नागरिक कर्तव्यों का पालन करेंगे। इंदौर और मध्यप्रदेश को आगे बढ़ाने का काम करेंगे।

संघ ने ज्योतिरादित्य सिंधिया को दिया सुझाव,विमान में वंदे मातरम की धुन बजाएं

जबलपुर। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया मानस भवन से निकलकर सीधे केशव कुटी संघ कार्यालय पहुंचे। जहां विभाग संघ चालक डा.कैलाश गुप्ता एवं संघ पदाधिकारियों ने उनसे मुलाकात की। करीब 30 मिनट रुकने बाद केंद्रीय मंत्री रवाना हो गए। इस दौरान डा.कैलाश गुप्ता से केंद्रीय मंत्री को सुझाव दिया कि उड़ानों में वंदे मातरम की धुन बजाई जा सकती है। इसके अलावा राष्ट्रीयता के लिए भारत माता की जय आदि धुन भी शामिल की जा सकती है। केंद्रीय मंत्री ने उनके सुझाव को अमल में लाने का भरोसा दिया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री को पुस्तक भी भेंट की गई। इस दौरान विधायक इंदु तिवारी, मनोज, शिवनारायण और व्यापारी प्रकोष्ठ के शरद अग्रवाल भी मौजूद रहे।

Maharana Pratap : Rajput warrior and a Great king

Maharana Pratap was a renowned Rajput warrior and a king of Mewar, Rajasthan, in north-western India. One of the greatest Rajput warriors, he is recognised for resisting the attempts of the Mughal ruler Akbar to conquer his territory. Unlike the other neighbouring Rajput rulers, Maharana Pratap repeatedly refused to submit to the mighty Mughals and continued fighting courageously till his last breath. A symbol of Rajput gallantry, diligence and valour, he was the only Rajput warrior to take on the might of Akbar, the Mughal Emperor. For all his courage, sacrifice and fiercely independent spirit, he is honoured as a hero in Rajasthan.

Maharana Pratap was born on May 9, 1540, in Kumbhalgarh Fort to Jaiwanta Bai and Udai Singh II. He had three younger brothers and two stepsisters. His father, Udai Singh II, was the king of Mewar and his capital was Chittor.

In 1567, the Mughal forces surrounded Mewar's capital, Chittor. Instead of fighting with the Mughal forces, Udai Singh left the capital and shifted his family to Gogunda. Though Pratap resisted this decision and insisted on staying back, but the elders were able to convince him that leaving the place was the right decision. A temporary government of the kingdom of Mewar was set by up by Udai Singh and his courtiers in Gogunda.

In 1572, after the demise of Udai Singh, Rani Dheer Bai insisted that Uday Singh's eldest son, Jagmal, should be crowned as the king, but the senior courtiers felt that Pratap was a better choice to handle the prevailing situation. This is how Pratap succeeded his father to the throne.

When Pratap succeeded his father to the throne, his brother Jagmal Singh, who was nominated as the Crown Prince by Udai Singh swore revenge and joined the Mughal army. The Mughal king Akbar rewarded him with the town of Jahazpur for the help he rendered.

When the Rajputs left Chittor, Mughals took control of the place, but their attempts to annex the kingdom of Mewar remained unsuccessful. A number of envoys were sent by Akbar tried to negotiate with Pratap to strike an alliance, but that did not work. Six diplomatic missions were sent by Akbar in 1573 but were turned down by Maharana Pratap. The last of these missions was lead by Akbar's brother-in-law Raja Man Singh. When the efforts of signing a peace treaty failed, Akbar made up his mind to face the mighty Mughal army.

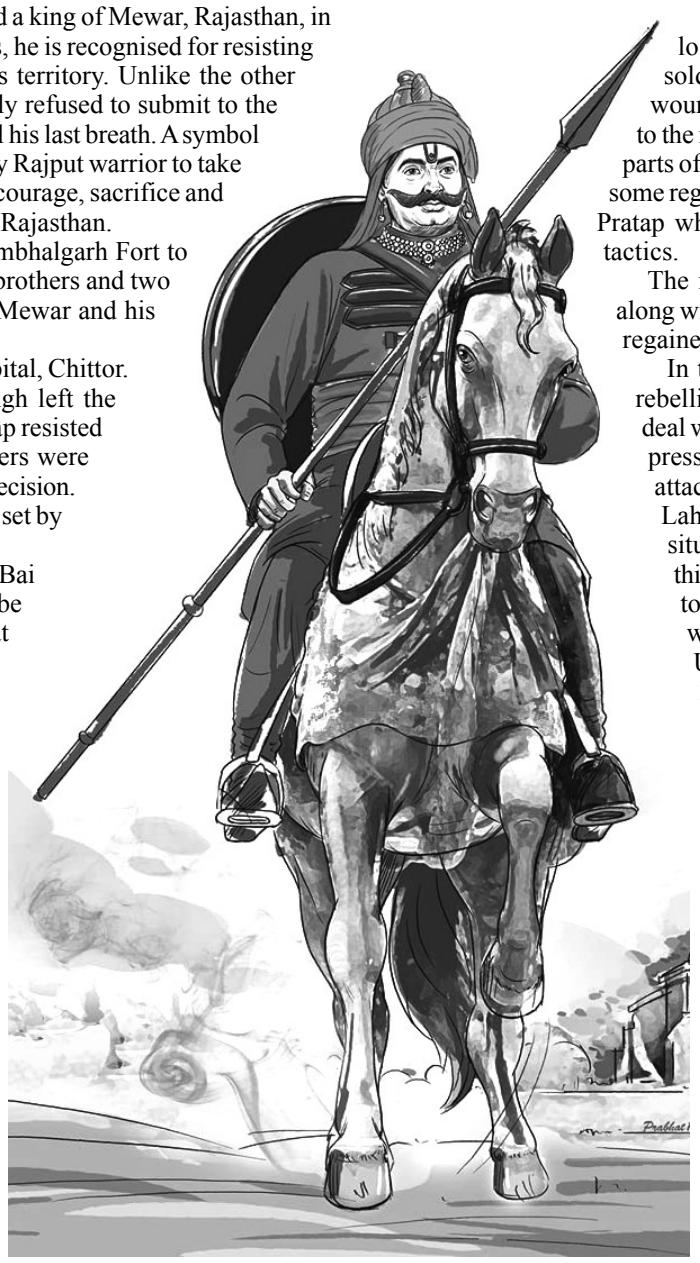

On June 18, 1576, the Rajput army stood face-to-face with the Mughal army (under the command of Asaf Khan I and Man Singh) at Haldighati. According to historians, it was one of the fiercest battles ever fought, with the Mughal forces outnumbering the Rajput army. The army of Mewar was under the command of Ram Shah Tanwar and his sons namely, Chandrasenji Rathore, Rawat Krishnadasji Chundawaat and Maan Singhji Jhala.

The battle lasted for four hours and resulted in huge loss of lives on the Mewar side (approximately 1600 soldiers), while the Mughals lost only 150 soldiers and 350 wounded. Maharana Pratap was badly wounded but escaped to the nearby hills. Though Mughals were able to claim several parts of Mewar, including Gogunda and the nearby areas except some regions of Aravellis, but they were unable to oust Maharana Pratap who continued to harass the Mughals through guerrilla tactics.

The moment Akbar's focus shifted to other places, Pratap along with his army who came out of the hiding and successfully regained the control of western regions of his province.

In the wake of Mirza Hakim's incursion into Punjab and rebellions in Bihar and Bengal, Akbar diverted his attention to deal with these problems. I resulted into slackening of Mughal pressure on Mewar. In 1582, the Mughal post at Dewair was attacked and occupied by Maharana Pratap. Akbar moved to Lahore in 1585 and stayed there to keep an eye on the situation in the north-west for next twelve years. During this period no Mughal expedition was sent to Mewar. Pratap took advantage of this situation and regained control over western Mewar, including Gogunda, Kumbhalgarh and Udaipur. He built a new capital at Chavand, near Dungarpur.

The great warrior left for the heavenly abode on 29th January, 1597, at the age of 56, as a result of injuries sustained during his incessant struggle against the Mughal Empire. His eldest son, Amar Singh I, succeeded him to the throne of Mewar.

Maharana Pratap had eleven wives, five daughters, and seventeen sons. However, his favourite wife was his first wife named Maharani Ajabde Punwar. He tied the knot for the first time in 1557. In 1559, his first son Amar Singh I, who later succeeded him, was born.

It is said that Pratap married ten more princesses in order to strengthen the Rajput unity. Pratap spent a large part of his life and forests and it is also said that there was a time when his family had to survive on chappatis made of grass.

Maharana Pratap is often considered to be 'India's first freedom fighter,' as he did not surrender to the Mughal armies led by Akbar. A number of television shows have been made on the life and achievements of Maharana Pratap. A historic site dedicated to Maharana Pratap, Maharana Pratap Memorial, is situated at the top of Moti Magri, Pearl Hill in Udaipur. It was built by Maharana Bhagwat Singh Mewar and showcases a life-sized bronze statue of the gallant warrior riding his horse 'Chetak.'

Government Is Here To Serve People, We Work To Make Your Life Easy : PM Shri Modi

Bhopal : The Prime Minister Shri Narendra Modi has said that the schemes made for the welfare of the poor have worked to change the lives. The government is working in the service of the people. Schemes are being implemented to make life easier for all. India has also emerged as a friend and ally for other nations. During the Corona period, we worked to deliver medicines to many countries. Efforts are also being made to make Indian products reach the world market. Prime Minister Shri Modi said that it has been decided to give relief amount every month to the children whose parents succumbed to death during the Corona period. All necessary efforts will be made continuously to fulfill the aspirations of the people. The identity of India is not scarcity but modernity and the operation of more and more public welfare works.

The Prime Minister Shri Modi was having a virtual dialogue with the beneficiaries of various selected schemes from Shimla (Himachal Pradesh) in the Amrit Mahotsav of Azadi today. All the selected beneficiaries of state, district and Krishi Vigyan Kendra level virtually connected to this national programme. Taking part virtually in the programme, Prime Minister Shri Modi transferred the amount of more than 21 thousand crores of Pradhan Mantri Kisan Samman Nidhi to the accounts of over 10 crore farmers by pressing the button. This was the 11th installment given to the beneficiaries under the scheme. Prime Minister Shri Modi's address was listened to by people at the state level Garib Kalyan Sammelan at Kushabhau Thakre Auditorium in Bhopal.

Prime Minister Shri Modi launched Pradhan Mantri Awas Yojana (rural and urban), Pradhan Mantri Kisan Samman Nidhi, Pradhan Mantri Ujjwala Yojana, Poshan Abhiyan, Pradhan Mantri Matru Vandana Yojana, Swachh Bharat Mission (rural and urban), Jal Jeevan Mission and Amrut Yojana, Pradhan Mantri Swa-Nidhi Yojana, One Nation-One Ration Card, Pradhan Mantri Garib Kalyan Anna Yojana, Ayushman Bharat, Health and Wellness Centre, Pradhan Mantri Jan-Arogya Yojana and Pradhan Mantri Mudra Yojana of various states and interacted with the beneficiaries of the schemes

No Child Will Remain Orphan on the Soil of the State

Government Will take Responsibility to look after Children : CM Shri Chouhan

Indore : Chief Minister Shri Shivraj Singh Chouhan has said that no such child will remain orphan in the state, whether the parents have passed away due to corona or due to any other reason. The government will be their guardian. The entire responsibility of their care will be ensured by the government. The government, along with the society, will make complete arrangements of food, education, shelter and livelihood for such children. CM Shri Chouhan said that those families which leaned on the father's income, the government is critically considering the care plan of such children after their father's demise.

Chief Minister Shri Chouhan today participated in the dialogue programme of the beneficiaries of PM Care for Children and Mukhyamantri Covid Bal Seva Yojna at Narsingh Vatika in Indore.

Chief Minister Shri Chouhan told the children to never think that we have no one, Mama is with you, the entire government is with you, we cannot make up for the loss faced by the children, but we can ensure to make their difficult times easy and secure the future of the children. I can understand the pain of losing the parents. I myself lost my mother in my childhood.

Chief Minister Shri Chouhan said that under Mukhyamantri Covid Bal Seva Yojna, such children would get an assistance of Rs. 5 thousand per month along with free food grains. He told the children to "Study well, don't lose your courage, keep going, the government is with you at every step, will eliminate all the hurdles in the way and ensure all your needs are fulfilled, so that you can showcase your talent."

CM Shri Chouhan Came Out With a Handcart for Well-Nourished and Educated Future of the Children

Indore : Chief Minister Shri Shivraj Singh Chouhan has said that Anganwadi centres will become centres of culture. On Tuesday, Chief Minister Shri Chouhan came out with a handcart under the Anganwadi Adoption campaign from street number one of Lodhipura in Indore. Chief Minister Shri Chouhan got overwhelmed while receiving such materials and gifts apart from toys that were presented to him by the people here with open hands. Among toys and materials presented many citizens also presented cheques worth lakhs. In this campaign, small children also donated their piggy banks for adopt an anganwadi and well-nourished and educated future of children. When Chief Minister Shri Chouhan reached the street number 1 of Lodhipura, he witnessed an atmosphere similar to a festival. The mother and sister's had put up stalls outside their homes for the items to be donated. The women got dressed and were eagerly waiting to give a deferential welcome to this holy campaign.

When Chief Minister Shri Chouhan came out with a handcart to the narrow

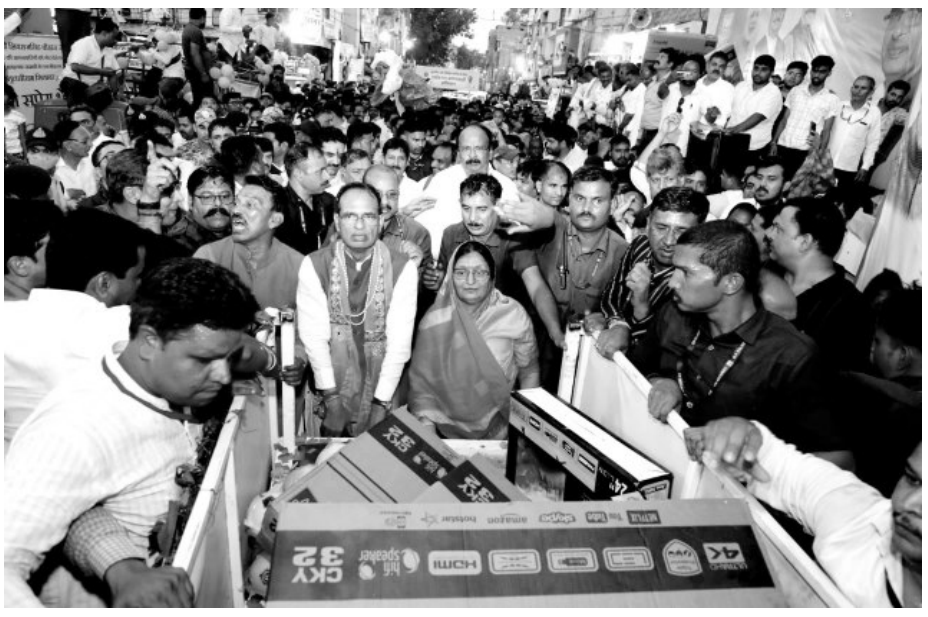

lane of Lodhipura, the mothers and sisters there showered flowers from the 2 and 3 storey galleries and windows. In the street, some came out with toys in their hands, some with LEDs, fans, books, clothes, water cans, teddy bears, elephants-horses and some others came out to donate bags. In this campaign, citizens left no stone unturned to present various toys and gifts.

Chief Minister Shri Chouhan collected material by pushing the handcart from Narsingh Bazar of Lodhipura to Sitla Mata Bazar. Chief Minister Shri Chouhan said I am overwhelmed from the platform set up at Sitla Mata Bazar, so much material has been collected on one call. Indore is indeed a wonderful city. During his address, Chief Minister Shri Chouhan said that many children of Anganwadis are underweight, they are victims of malnutrition. It is not the responsibility of the Anganwadi workers alone, that's why I have come out to appeal to the society. The people of Indore are called upon to offer milk, fruits etc. to malnourished children on their birthdays or on any happy occasion. The capable districts should present the material to the backward districts.

Water Resources Minister Shri Tulsiram Silawat, Member of Parliament Shri Shankar Lalwani, Chairman of Indore Development Authority Shri Jaipal Singh Chavda, Smt. Malini Gaud, MLA Shri Ramesh Mendola, Shri Mahendra Hardia, Shri Akash Vijayvargiya, former MLA Shri Manoj Patel, Shri Jitu Jirati, Shri Gaurav Ranadive, Collector Shri Manish Singh and a large number of citizens were present.

Mass Movement Imperative to End Malnutrition among Children : CM Shri Chouhan

Bhopal : Chief Minister Shri Shivraj Singh Chouhan has said that mass movement is necessary for the work of eradicating malnutrition among children and improving their health status. Impetus is being given to the efforts in the state by obtaining public cooperation for this purpose. The campaign to make Anganwadis capable will be boosted by increasing the participation of Crisis Management Committees, members of Antyodaya Committees and voluntary organisations, which were active during the Corona period. CM Shri Chouhan was addressing the meeting of the Task Force Committee constituted by the State Government to reduce infant-maternal mortality in Mantralaya today. The Task Force Committee presented the interim report before CM Shri Chouhan and apprised about the study done through presentation. On behalf of the task force, Sushri Shamika Ravi, Prof. Ramesh Agarwal and Prof. Suparna Ghosh submitted the report.

Chief Secretary Shri Iqbal Singh Bains, Additional Chief Secretary Health Shri Mohammad Suleman, Additional Chief Secretary Women and Child Development Shri Ashok Shah, Health Commissioner Dr. Sudam Khade were present.

Road map will be prepared in consultation with experts

Chief Minister Shri Chouhan said that the interim report submitted by the task force has been prepared after detailed study by the members of the committee and visiting different areas of the state. In the light of this report,

the State Government will prepare the necessary roadmap soon in consultation with the Health Department, Women and Child Development Department and subject experts. Necessary action plan will also be implemented with public participation. Ladli Laxmi daughters have also expressed their intention to bear social responsibility. We have to get rid of the stigma of malnutrition. The cooperation of these daughters will also be obtained in the work of eradicating malnutrition. CM Shri Chouhan thanked the members of the task force for the report presented.

Public support is being received to end malnutrition

Chief Minister Shri Chouhan said that continuous public cooperation is being received to make Anganwadi centres convenient and efficient. Not only toys but also various learning equipment including coolers, fans, furniture, TV sets, study materials, books and computers are being provided to Anganwadi centres in Bhopal and Indore. Common citizens, public representatives, businessmen, government servants and voluntary organisations have actively participated in this campaign.

Rajya Sabha Candidates Filed Nominations

Chief Minister Shri Chouhan Also Reached the Assembly

Bhopal : Chief Minister Shri Shivraj Singh Chouhan was present in the Vidhan Sabha hall on the occasion of filing of nomination papers by the Rajya Sabha candidates this afternoon. He met and discussed with the candidates. Several members of the Cabinet and MP Shri VD Sharma were also present.

Make Long Term Plan for De-addiction: Minister Shri Patel

Bhopal : Social Justice and Disabled Welfare Minister Shri Prem Singh Patel has given instructions to prepare a long-term action plan for de-addiction. Minister Shri Patel said that de-addiction campaign should be carried out continuously in the entire Madhya Pradesh by making the general public aware about the ill-effects of liquor consumption.

Mothers will get training to keep children away from addiction : Youth, children and women will be specially included in the de-addiction campaign so that the new generation does not fall victim to addiction. Instructions have been given to prepare such a training module to empower women, so that they can be successful in keeping their children free from addiction. Training modules and publicity material are being prepared by the Social Justice and Disabled Welfare Department.

Instructions for Conducting Videography of Urban Body and Panchayat Elections

Bhopal : State Election Commissioner Shri Basant Pratap Singh has directed the Collectors and District Election Officers for compulsorily videography to monitor the observance of the provisions related to the code of conduct and to prevent any untoward incident related to other law and order issues during the campaign before the polling day and on the polling day and counting day.

Videography should be done during filing of nomination papers, especially on the last day of submission of nomination papers, scrutiny of nomination papers, during withdrawal of nominations and symbol allotment, publicity by candidates such as during the meetings of ministers, senior politicians of national and state level recognised parties, on the last day of campaigning, during rallies, processions etc., during investigations of complaints about violation of model code of conduct, incidents causing disruption in political meetings, complaints regarding threatening and intimidation of voters, complaints regarding luring voters e.g. distribution of money, sarees, dhotis, blankets etc., during EVM preparation and randomisation, to monitor the expenses on publicity and other heads made by contestants such as candidates for mayor/president and corporators, distribution and receipt of materials and machines at the most sensitive polling stations on polling day, at the time of, during the counting of votes, declaration of results and sealing of DMMs, opening and closure of strong rooms and videography should mandatorily be done during other occasions and events, as deemed necessary.

इंदौर को दुनिया का सबसे अच्छा शहर बनायेंगे : मुख्यमंत्री श्री चौहान

-10 सालों में इंदौर हैदराबाद एवं बैंगलुरु को पीछे छोड़ देगा
-इंदौर में देवी अहिल्याबाई होल्कर का विशाल स्मारक बनेगा
-संगीत महाविद्यालय का नाम होगा स्वर कोकिला लता मंगेशकर महाविद्यालय
-इंदौर में हुआ सात दिनी इंदौर गौरव महोत्सव का रंगारंग समापन

इंदौर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि इंदौर को दुनिया का सबसे अच्छा शहर बनायेंगे। इसे देश का आई.टी. हब बनाया जायेगा। सुपर कॉरीडोर पर 4.5 करोड़ रूपये की लागत से स्टार्टअप पार्क बनाया जायेगा। अंतर्राष्ट्रीय स्तर का स्टार्टअप ईको-सिस्टम विकसित किया जायेगा। इंदौर में अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा बन रहा है। अगले 10 वर्षों में इंदौर बैंगलुरु और हैदराबाद को पीछे छोड़ देगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान आज इंदौर में माँ अहिल्या की जन्म तिथि पर मनाये गये गौरव दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस सात दिवसीय गौरव महोत्सव का आज रंगारंग समापन हुआ। नेहरू स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध गायिका सुश्री श्रेया घोषाल एवं श्री मनोज मुंतशिर ने प्रस्तुतियाँ दीं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि 5 बार स्वच्छता में अव्वल आने वाला इंदौर अब छक्का लगाने की तैयारी में है। यह मालवा का मुकुट-मणि है। इंदौर में देवी अहिल्याबाई होल्कर का विशाल स्मारक बनाया जायेगा। इसके संचालन के लिये बनने वाले ट्रस्ट की अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन होंगी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इंदौर की भूमि पर स्व. लता मंगेशकर ने जन्म लिया। राजेन्द्र नगर में 24 करोड़ रूपये की लागत से बनने वाले 1500 सीटर ऑडिटोरियम का नाम स्वर कोकिला लता मंगेशकर के नाम पर रखा जायेगा। चिमन बाग मैदान के पास स्थित संगीत महाविद्यालय का उन्नयन किया जायेगा तथा उसका नाम भी लता मंगेशकर के नाम पर रखा जायेगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इंदौर में यातायात प्रबंधन का मास्टर प्लान बन रहा है। इंदौर के युवाओं ने बड़ी संख्या में स्टार्टअप कम्पनियाँ खड़ी कीं, जिसके लिये वे बधाई के पात्र हैं। श्री चौहान ने बताया कि बीजासन मंदिर से एबी रोड तक विकसित होने वाले इकानॉमिक कॉरीडोर से लाखों को रोजगार मिलेगा। पीथमपुर में देपालपुर तहसील में 2 हजार एकड़ में विकसित किये जा रहे क्षेत्र में अपार रोजगार की संभावना है।मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इंदौर दानवीरों का शहर है। हमने निर्णय लिया है कि इंदौर में कोई भी भीख नहीं माँगेगा। भिखारियों का पुनर्वास करेंगे। उनमें जो दिव्यांग और बीमार हैं, उनके लिये आश्रय-स्थल, अहिल्या-धाम एवं शिव-कुटीर बनाये जायेंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमने संकल्प लिया है कि प्रदेश में कोई भी बच्चा कुपोषित नहीं रहेगा। मैं स्वयं आँगनवाड़ी के बच्चों के लिये खिलौने एवं अन्य सामग्री माँगने निकलता हूँ। लोगों ने अपार उत्साह दिखाया है। इंदौर शहरवासियों ने आँगनवाड़ियों के लिये आज 8.5 करोड़ रूपये के चैक प्रदान किये हैं। इसके लिये मैं इंदौर शहर का अभिनंदन करता हूँ। मध्यप्रदेश से कुपोषण को खत्म कर देंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कार्यक्रम का शुभारंभ माँ अहिल्या की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। उन्होंने इंदौर की विभिन्न विभूतियों और प्रतिभाओं को सम्मानित किया। श्री चौहान ने इंदौर गौरव-गान का अनावरण भी किया।

कार्यक्रम में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर, जल-संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, विधायक गण उपस्थित थे।

राज्यपाल श्री पटेल को मुख्यमंत्री और मंत्रियों ने राजभवन पहुँचकर दी बधाई

राज्यपाल श्री पटेल का जन्म-दिवस गरिमामय सादगी के साथ मना राजभवन में स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल का जन्म-दिवस राजभवन में गरिमामय सादगी के साथ मनाया गया। राज्यपाल को मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने राजभवन पहुँचकर, पुष्प-गुच्छ और उपहार भेंट कर जन्म-दिवस की बधाई दी। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसी सिलावट और उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी राजभवन पहुँचकर जन्म- दिवस की बधाई दी। राज्यपाल श्री पटेल के जन्म-दिवस पर राजभवन में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान द्वारा दंत परीक्षण शिविर और शासकीय होम्योपैथी चिकित्सा महाविद्यालय द्वारा वरिष्ठ जन जाँच, चिकित्सा शिविर एवं औषधि वितरण किया गया।

राज्यपाल श्री पटेल ने जन्म-दिवस पर राजभवन परिसर और कुम्हारपुरा स्कूल के बच्चों को स्कूल बैग, महिला कर्मचारियों को स्वच्छता किट का वितरण किया। श्री पटेल ने प्रातःकाल में राजभवन स्थित गो-शाला में गो-पूजन किया। गो-माता को हरा चारा खिलाया। राजभवन स्थित धन्वंतरि उद्यान का भ्रमण कर, भगवान धन्वंतरि की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उद्यान में तुलसी और पपीते का पौधा रोपा। परिसर में वटवृक्ष के पौधे का रोपण किया।राजभवन में गरिमामय कार्यक्रम में राज्यपाल श्री पटेल ने जन्म-दिवस की शुभकामनाएँ स्वीकार की। राज्यपाल को राजभवन प्रेस प्रकोष्ठ द्वारा 'सेवा-साधना' फोल्डर की प्रथम प्रति भेंट की गई।

प्रदेश में मानसून का सिस्टम बनने लगा

भोपाल। केरल में मानसून के एक्टिव होते ही मानसून की गतिविधियां बढ़ गई हैं। बंगाल की खाड़ी में भी लो-प्रेशर एरिया बनने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इधर, पाकिस्तान के ऊपर बने सिस्टम का असर भी कम होने लगा है। कहीं गर्मी तो कहीं रिमझिम होने से मानसून का सिस्टम तैयार होने लगा है। मध्यप्रदेश से जा रही ट्रफ लाइन भी खत्म हो गई है। इस कारण मंगलवार को कुछ इलाकों में हल्की बारिश की संभावना है। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक वेद प्रकाश सिंह ने बताया कि मंगलवार को कुछ इलाकों में हल्की बारिश तो रहेगी, लेकिन नौगांव, दतिया, खंडवा, खरगोन, ग्वालियर और भोपाल में पारा चढ़ेगा। भोपाल में यह 42 डिग्री के आसपास बना रहेगा। इंदौर और उज्जैन में अभी बारिश की संभावना नहीं है, लेकिन यहां पर तापमान ज्यादा नहीं बढे से गर्मी से राहत बनी रहेगी। यहां पर यह 39 डिग्री के नीचे ही बने रहेंगे।

अब धीरे-धीरे पाकिस्तान से आने वाली हवाएं कम हो जाएंगी। केरल में मानसून आगे बढे से बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर एरिया बनने लगेंगे। जैसे ही यह लो प्रेशर एरिया में बढ़ोतरी होगी, वैसे ही बारिश की गतिविधियां बढ़ जाएंगी।

मध्यप्रदेश में मानसून की अधिकारिक तारीख 20 जून है। इस बार समय से पहले मानसून के केरल में

पहुंचने के कारण इसके समय ये कुछ पहले आने की संभावना बढ़ गई है। अगर सब कुछ ठीक चला और मानसून आगे बढ़ता है तो यह 20 के पहले मध्यप्रदेश में पहुंच सकता है। मानसून की सही स्थिति 11 जून तक ही साफ हो जाएगी। अभी सिर्फ बंगाल की खाड़ी में गतिविधियां तेज चल रही हैं, अरब सागर में हलचल है, लेकिन कोई मजबूत सिस्टम नहीं है। अगर दोनों से हलचल बढ़ती हैं, तो मध्यप्रदेश में एक साथ जबलपुर और इंदौर के यहां से मानसून की एंट्री हो सकती है। नौतपा के छटवें दिन पारा पहली बार 44 के पार गया है। देश के 10 सबसे गर्म इलाकों में मध्यप्रदेश के ग्वालियर समेत 3 इलाके शामिल हैं। सबसे ज्यादा गंगानगर में पारा 45 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इसके बाद ग्वालियर में 44.7 डिग्री रहा। केरल में मानसून तय दिन से तीन दिन पहले दस्तक दे दी है। 75 साल में 41वीं बार मानसून समय से पहले आया है।

अमेरिका और कनाडा को छोड़ शेष देशों की वीजा सुविधा मिल रही इंदौर में

इंदौर। इंदौर से विदेश जाने वाले यात्रियों को अब बायोमैट्रिक सत्यापन कराने के लिए मुंबई और दिल्ली के दूतावास जाने की जरूरत नहीं पड़ रही है। फ्रांस और ब्रिटेन सहित यूरोप जाने वाले यात्रियों को नगर में यह सुविधा मिल रही है। इस साल अब तक फरवरी से लेकर एक हजार लोग इसका लाभ उठा चुके हैं। अमेरिका और कनाडा जाने वाले यात्रियों को बायोमैट्रिक सत्यापन कराने के लिए मुंबई-दिल्ली के दूतावास अनिवार्य रूप से जाना होता है।

नगर के कुछ बड़े ट्रैवल एजेंट कोरोनाकाल के पहले से ही यह सुविधा उपलब्ध करवा रहे हैं।

कोरोनाकाल में इस पर जरूर रोक लग गई थी, लेकिन अब फिर से यह सुविधा चालू हो गई है। ट्रैवल एजेंट एसोसिएशन आफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष हेमेन्द्र सिंह जादौन बताते हैं। हम लोग यह शिविर इंदौर में ही लगा रहे हैं। संख्या अधिक होने पर हम लोग दूतावास से संपर्क कर बायोमैट्रिक सत्यापन के लिए टीम को यहीं बुलवा लेते हैं। इससे यात्रियों को दो फायदे होते हैं। पहले इसी काम के लिए लिए यात्रियों को दिल्ली या मुंबई जाना होता था।

अब यह काम यहीं हो जाने से यात्रियों के समय और धन दोनों की बचत होती है। जैसे किसी यात्री की औपचारिकता के लिए मुंबई आने-जाने की उड़ान का खर्च 8000 रुपये, वहां रहने और परिवहन का खर्च करीब प्रति व्यक्ति 15000 रुपये तक हो जाता है, वही कार्य यहां लगने वाले शिविर में करीब 10 हजार रुपये में ही काम हो जाता है। कार्य सुविधाजनक ढंग से कम खर्च में हो जाता है।

जादौन ने बताया कि इस साल रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध होने से वहां जाने वाले यात्रियों की संख्या कम हो गई है। वहीं गर्मी के कारण दुबई जाने वाले यात्रियों की संख्या कम हो गई है। यात्री यूरोपीय देश जाना पंसद कर रहे हैं। प्रदेश में सबसे अधिक यात्री इंदौर से ही विदेश जाते हैं।

कई देशों में आन अराइवल वीजा की सुविधा-एजेंट के अनुसार अमेरिका और कनाडा जाने के लिए दूतावास में जाना जरूरी है। उनकी वीजा औपचारिकताएं वहीं पर अनिवार्य रूप से होती हैं। इसके अलावा यूरोपीय देशों में जाने के लिए यहीं शिविर लगाए जा रहे हैं। इसमें बायोमैट्रिक सत्यापन हो जाता है। इंदौर से सबसे अधिक लोग दुबई जाते हैं। इसके लिए यात्रियों को आनलाइन वीजा मिल जाता है। वहीं थाईलैंड जाने वाले यात्रियों को आनलाइन के साथ आन अराइवल वीजा की सुविधा भी मिल जाती है।

140 करोड़ भारतीयों में से एक भी मोदी के व्यक्तित्व की बराबरी नहीं कर सकता-स्वामी रामदेव

नई दिल्ली। इंडिया टीवी 'संवाद' कॉन्क्लेव में आज योग गुरु स्वामी रामदेव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जम कर सराहना की और कहा, 'इस समय मुझे 140 करोड़ भारतीयों में से एक भी व्यक्ति नजर नहीं आता जो मोदी के हिमालय जैसे व्यक्तित्व की बराबरी कर सके और इस देश को चला सके। उनके सामने बाकी सब बौने दिखते हैं।' स्वामी रामदेव ने कहा, 'मैं यह नहीं कहता कि अतीत में कोई महान व्यक्तित्व नहीं हुआ। मैं यह भी नहीं कहता कि मोदी के बाद इस देश को संभालने के लिए कोई व्यक्ति नहीं है। यह भगवान का विधान है। देश अपने प्रवाह से आगे बढ़ेगा, लेकिन इस समय मुझे ऐसा कोई नहीं दिखता जो मोदी के व्यक्तित्व की बराबरी कर सके।'

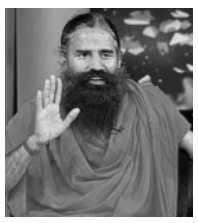

मोदी सरकार के 8 साल पूरे होने के अवसर पर योगगुरु ने प्रधानमंत्री की सराहना करते हुए कहा, 'हमें फख्र है कि हम उस कालखंड में हैं जब मोदी जैसा एक यशस्वी, तेजस्वी, पराक्रमी वीर देश का प्रधानमंत्री है, जो शौर्य के साथ खड़ा रहता है। मैं पूरी दुनिया में घूमा हूं। सारी दुनिया के लोग कहते हैं इससे पहले कोई प्रधानमंत्री आता था, तो कब आया और कब चला गया, कोई चर्चा नहीं होती थी। आज मोदी जी आते हैं तो पूरी दुनिया में चर्चे होते हैं।'

रामदेव ने कहा, 'मोदी ने भारत को वैश्विक गौरव दिया। जमीन स्तर पर उन्होंने हमारी सड़कों, बंदरगाहों से लेकर एयरपोर्ट्स तक को बदल दिया है। उन्होंने हमारे किसानों और गरीबों के लिए तमाम योजनाएं शुरू की हैं। पिछले 75 सालों में वह हमारे पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने योग और आयुर्वेद को लोकप्रिय बनाया। मोदीजी खुद रोज़ योग करते हैं और 18 घंटे कर्मयोग करते हैं। वह नई शिक्षा नीति लेकर आए।' उन्होंने कहा, 'मोदी राष्ट्र की एक ऋषि आत्मा जैसे हैं। एक दिन मैंने ट्वीट में उनको 'देवतुल्य' कह दिया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर मुझे कई लोगों ने ट्रोल किया। लोग अपनी ऐसी-तैसी कराएं, मोदी अच्छा काम कर रहे हैं। मैंने कहा, क्या तुम्हारे खेत में आकर मोदी हल भी चलाएंगे? क्या मोदी तुम्हारी दुकान भी चलाएंगे? खुद तो कुछ काम करो। देश के प्रधानमंत्री का काम होता है अच्छी नीतियां बनाना, अच्छा नेतृत्व देना, अच्छी नीयत से काम करना।'

विपक्ष के आरोपों पर कि पीएम ईंधन की कीमतों में वृद्धि पर चुप्पी साधे हुए थे, स्वामी रामदेव ने कहाः 'जो प्रधानमंत्री होता है उसको पता होता है कि देश कैसे चलाया जाता है। कोरोना में देश की पूरी अर्थव्यवस्था हिल गई, पूरी दुनिया के बड़े-बड़े देश हिल गए। माना कि हमारे यहां चुनौतियां हैं, मैं आंख बंद करके नहीं बैठा। मैं मोदी के घनघोर विरोधियों से एक प्रश्न करता हूं कि मुझे मोदी से ज्यादा काबिल एक व्यक्ति का नाम बता दें, हम आज उसको साष्टांग कर लेंगे।'

सबसे बड़े व्यापारिक भागीदार बनने को लेकर अमेरिका-चीन में तकरार

भारत ने यूएस को बताया, चीन ने कहा-हम हैं

नई दिल्ली। संपूर्ण विश्व जगत में भारत का डंका इन दिनों खूब बज रहा है। भारत की कूटनीति की प्रशंसा भी चारो ओर से हो रही है। वहीं अब भारत के प्रमुख व्यापारिक भादीगार बनने को लेकर भी एक जंग सी छिड़ गई है। चीन वैसे तो एलएसी पर अपनी कारिस्तानियों से बाज नहीं आता है। लेकिन बीते दिनों भारत द्वारा अमेरिका को सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बनाया जाना उसे रास नहीं आया। उसने इसे आंकड़ों का फेर बताते हुए कहा कि अभी भी वो ही भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। ऐसे में आइए आपको बताते हैं कि क्या है पूरा मामला।

दरअसल, बीते दिनों ये खबर आई कि भारत के साथ व्यापार के मामले में अमेरिका ने चीन को पीछे छोड़ दिया है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2021-22 में अमेरिका और भारत का द्विपक्षीय व्यापार बढ़कर 119.42 अरब डॉलर पर पहुंच गया। 2020-21 में यह आंकड़ा 80.51 अरब डॉलर का था। आंकड़ों के अनुसार, 2021-22 में भारत का अमेरिका को निर्यात बढ़कर 76.11 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 51.62 अरब डॉलर रहा था। वहीं इस दौरान अमेरिका से भारत का आयात बढ़कर 43.31 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 29 अरब डॉलर था। आंकड़ों के अनुसार, 2021-22 में भारत-चीन द्विपक्षीय व्यापार 115.42 अरब डॉलर रहा, जो 2020-21 में 86.4 अरब डॉलर था।

बस फिर क्या था चीन की तरफ से झट से इस पर प्रतिक्रिया भी आ गई। चीन की तरफ से दावा किया गया कि वह अपने आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2021-22 में अभी भी भारत का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है। उसने अमेरिका के शीर्ष व्यापार भागीदार होने की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि इसका कारण भारत और चीन की व्यापार मात्रा की गणना के लिये अपनाये गये विभिन्न तरीकों में 'अंतर' का होना है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने संवादाताओं से कहा कि चीनी सक्षम प्राधिकरणों के आंकड़ों के अनुसार, 2021 में चीन और भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार 125.66 अरब डॉलर का रहा। उनसे 2021-22 में अमेरिका द्वारा चीन को पीछे छोड़ते हुए भारत का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार बनने की रिपोर्ट के बारे में पूछा गया था। झाओ ने कहा, चीन, भारत का सबसे बड़ा व्यापार साझेदार बना हुआ है और पहली बार द्विपक्षीय व्यापार 2021 में 100 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया था।

ज्ञानवापी केस से हरिशंकर और विष्णु जैन को हिंदू पक्ष ने हटाया

वारणसी। काशी विश्वनाथ ज्ञानवापी मस्जिद परिसर से जुड़े कई मामलों की पैरवी कर रहे वकील हरिशंकर जैन और विष्णु जैन को हटाने का फैसला हिन्दु पक्ष की तरफ से लिया गया है। ज्ञानवापी केस का कानूनी पक्ष देख रही संस्था विश्व वैदिक सनातन संघ के प्रमुख जितेंद्र सिंह बिसेन की तरफ से ये ऐलान किया गया है। बताया जा रहा है कि ज्ञानवापी केस में सर्वे के वीडियो और फोटो लीक होने के बाद ये फैसला लिया गया है।

जितेंद्र सिंह बिसेन ने कहा कि हर मुकदमे से हरिशंकर जैन और विष्णु शंकर जैन को हटाने का निर्णय लिया गया है। ये फैसला जिला अदलात से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक के हर केस में लागू होगा। सभी मुकदमों में लगे हरिशंकर जैन और विष्णु शंकर जैन के वकालतनामे को निरस्त किया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसारविश्व वैदिक सनातन संघ देशभर की अलग-अलग अदालतों में 50 से ज्यादा केस लड़ रही है।

वहीं पूरे मामले पर हरिशंकर जैन ने कहा कि ये कहना गलत है कि मुकदमे से नाम हट गया है हर मुकदमे में 05-07 याचिकाकर्ताओं में से 01 हट जाता है तो केस में असर नहीं पड़ता है। हर आदमी को अधिकार है कि अपना वकील कर सकता है। उससे मेरे केस और मेरी स्थिति में कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

मापदंड पूरे होने पर ही मान्यता, ठगी करने पर मिलेगा दंड

भोपाल। भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग ने यूनानी मेडिकल कालेजों की मान्यता के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। कालेजों के प्राचार्यों, डायरेक्टर और डीन को पत्र भेजकर कहा कि आयोग मान्यता पद्धति में किसी भी तरह की गड़बड़ी न की जाए। आयोग जीरो टालरेंस की नीति पर काम कर रहा है। आयुर्वेद महासम्मेलन व आयुष मेडिकल एसोसिएशन के प्रवक्ता डा. राकेश पांडेय ने इस संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यूनानी मेडिकल कालेजों को मान्यता दिलाने के नाम पर भ्रष्टाचार या ठगी पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। आयोग के सचिव डा. रघुराम भट्ट ने मध्य प्रदेश, बिहार, राजस्थान, छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश समेत सभी राज्यों में संचालित आयुर्वेद, सिद्धा, सोवा-रिग्पा व यूनानी कालेजों को मापदंड पूरे करने के निर्देश दिए गए हैं।

आयोग ने यह भी कहा है कि मान्यता मामले में भ्रष्टाचार की जानकारी देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी। उन्होंने बताया कि देशभर में 500 से ज्यादा आयुर्वेद, सिद्धा, सोवा-रिग्पा व यूनानी मेडिकल कालेज संचालित हैं। जून के अंतिम सप्ताह से सत्र 2022.23 की मान्यता के लिए केंद्रीय केंद्रीय आयुष मंत्रालय के निर्देश पर एनसीआइएसएम कालेजों की निगरानी शुरू कर देगा।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कालेज के कैंसर चिकित्सालय में मरीज परेशान हो रहे हैं। कई दिनों से कोबाल्ट मशीनें बंद पड़ी हैं। मशीनों में आई तकनीकी खामी को सुधारने के प्रयास किए जा रहे हैं। बताया जाता है कि कोबाल्ट मशीनों से कैंसर मरीजों को रेडिएशन दिया जाता है। जो बंद पड़ा है जिससे मरीजों की सेहत बिगड़ रही है।

मध्य प्रदेश आयुर्विज्ञान चिकित्सा विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यपरिषद की बैठक में कई निर्णय लिए गए। विश्वविद्यालय को नए भवन में स्थानांतरित करने, नई ठेका कंपनी को डिग्री व मार्कशीट छापने, कालेजों की संबद्धता पर चर्चा हुई। ठेका कंपनी ने फाइनल प्रजेंटेशन दिया था, जिसके बाद तय माना जा रहा था की कई माह से रुका यह कार्य जल्द पटरी पर आ जाएगा। इधर, एक सदस्य की आपत्ति के कारण वर्ष 2019-20, 2020-21 की संबंद्धता का मामला फिर अटक गया। विश्वविद्यालय से प्रदेश के करीब 400 मेडिकल, नर्सिंग व पैरामेडिकल कालेज संबद्ध हैं, परंतु करीब 35 कालेजों की संबद्धता को लेकर हर बैठक में पेंच फंस रहा है, जिसके चलते उक्त कालेजों के छात्र छात्राओं को भविष्य अधर में लटका है।

500 सालों से चला आ रहा इंतजार खत्म, शुभ मुहूर्त में राममंदिर गर्भगृह का शिलान्यास

अयोध्या। देश-विदेश में रह रहे करोड़ों हिंदुओं के लिए बहुत बड़ा दिन है क्योंकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज अयोध्या में बन रहे भव्य श्रीराम मंदिर के गर्भगृह के लिए शिलापूजन किया। इसी के साथ ही गर्भगृह के निर्माण का काम शुरू हो गया है। माना जा रहा है कि साल 2023 के अंत तक निर्माण कार्य पूरा हो जायेगा और 2024 की शुरुआत में रामलला भव्य मंदिर के गर्भगृह में विराजमान होंगे। शिलान्यास के लिए अयोध्या आने से पहले योगी ने अपनी भावनाओं को शब्दों में उड़ेलते हुए सुबह ट्वीट किया, 'राम काजु कीन्हें बिन मोहि कहां बिश्राम...।' अयोध्या पहुँच कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सबसे पहले हनुमानगढ़ी मंदिर में

हनुमानजी के पूजन और दर्शन किये इसके बाद उन्होंने रामलला के दर्शन और पूजन कर शिलान्यास कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पूज्य संतों के अलावा उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े लोग, अयोध्या के सांसद, विधायक, आमजन तथा प्रशासनिक अधिकारी गण मौजूद थे। शिलान्यास के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम का भव्य मंदिर अयोध्या धाम में बनकर देश और दुनिया के सभी सनातन हिन्दू धर्मावलंबियों की आस्था का प्रतीक तो बनेगा ही साथ ही श्री राम जन्मभूमि मंदिर भारत का राष्ट्र मंदिर भी होगा।

हम आपको याद दिला दें कि राम मंदिर के लिए 500 वर्षों तक चले आंदोलन के बाद 5 अगस्त 2020 को वो दिन आया था जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भव्य राम मंदिर निर्माण के लिए नींव रखी थी। अब करीब दो साल के बाद गर्भगृह निर्माण के लिए पहला पत्थर रखने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंचे। बुधवार सुबह वेद मंत्रों के उच्चारण के बीच पूर्ण विधि विधान से शिलाओं का पूजन किया गया। हम आपको बता दें कि अयोध्या में बन रहे राम मंदिर के गर्भगृह का आकार 20 फीट चौड़ा और 20 फीट लंबा होगा। मंदिर के गर्भगृह की दीवारें 6 फीट मोटी बनाई जा रही हैं। गर्भगृह में मकराना सफेद संगमरमर का इस्तेमाल किया जाएगा। राजस्थान के भरतपुर जिले की बंसी-पहाड़पुर की पहाड़ियों से गुलाबी बलुआ पत्थरों का इस्तेमाल अयोध्या के राम मंदिर में किया जा रहा है।

देखा जाये तो 500 सालों के संघर्ष के बाद जो राम मंदिर अस्तित्व में आ रहा है वह आगे एक हजार साल से भी ज्यादा समय तक भक्तों के लिए ऊर्जा का स्रोत बना रहे इसके लिए सभी आवश्यक प्रबंध किये जा रहे हैं। माना जा रहा है कि 24 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भव्य कार्यक्रम में राम मंदिर का उद्घाटन कर सकते हैं। इस तरह 2024 के आम चुनावों से पहले राम मंदिर बनवा कर भाजपा अपना एक प्रमुख चुनावी वादा पूरा कर देगी।

उधर, शिलान्यास कार्यक्रम में भाग लेने आये उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, ''राम मंदिर निर्माण का पहला चरण पूरा हो चुका है और दूसरा चरण गर्भगृह की आधारशिला रखे जाने के बाद शुरू होगा।'' उन्होंने कहा, ''राम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण उच्चतम न्यायालय के निर्णय के बाद शुरू किया गया और निर्माण का पहला चरण पूर्ण हो गया है। दूसरा चरण गर्भगृह की आधारशिला रखे जाने के साथ शुरू होगा।'' मौर्य ने कहा, ''आज राम भक्तों के लिए बहुत ही हर्ष का दिन है। मैं भाग्यशाली हूं कि मैं इस मंदिर के निर्माण का साक्षी बन रहा हूं।

नेपाली निजी एयरलाइंस का विमान दुर्घटनाग्रस्त

तारा एयर के विमान में सवार 22 लोगों में से 14 के शव बरामद

नेपाल की सेना ने सोमवार को उस स्थान का पता लगा लिया है, जहां एक नेपाली निजी एयरलाइंस का विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। नेपाली सेना के अनुसार 14 लोगों के शव बरामद कर लिये गए हैं, हालांकि कुछ लोगों के शवों की पहचान अभी नहीं हो पा रही है। बता दें कि तारा एयर का 9 NAET जुड़वां इंजन वाला विमान, जिसमें चार भारतीयों सहित 22 लोग सवार थे, रविवार की सुबह पहाड़ी जिले में लापता होने के कुछ घंटे बाद मस्टैंग जिले के कोवांग गांव में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।पुलिस निरीक्षक राज कुमार तमांग के नेतृत्व में एक टीम हवाई मार्ग से दुर्घटनास्थल पर पहुंची। अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों के कुछ शवों की पहचान अभी नहीं हो पा रही है। फिलहाल, पुलिस अवशेष इकट्ठा कर रही है।

फर्जी दस्तावेजों के जरिये गेहूं निर्यात को रोकने के लिए सरकार ने नियम सख्त किए

नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय ने सोमवार को गेहूं निर्यात के लिये पंजीकरण प्रमाणपत्र लेने के नियमों को सख्त कर दिया। इस कदम का मकसद गड़बड़ी करने वाले व्यापारियों द्वारा गलत दस्तावेजों के जरिये धोखाधड़ी की गतिविधियों पर लगाम लगाना है।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने 19 मई को अपने सभी क्षेत्रीय प्राधिकरणों को दिशानिर्देश जारी कर पात्र निर्यातकों को पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी करने से पहले नियमों का कड़ाई से पालन करने को कहा था।

डीजीएफटी को सूत्रों से जानकारी मिली थी कि कुछ निर्यातक पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी कराने को लेकर फर्जीवाड़ा कर पिछली तारीख के साख पत्र जमा कर रहे हैं, जिस पर 13 मई, 2022 या उसके पहले की तारीख है।

सूत्रों से मिली जानकारी के बाद डीजीएफटी ने दिशानिर्देश जारी किया। निर्यातकों को निर्यात के लिये अनुबंधों का पंजीकरण (आरसी) प्राप्त करने को 13 मई या उससे पहले जारी वैध अपरिवर्तनीय साख पत्र (एल/सी) के साथ विदेशी बैंकों के साथ संदेश आदान-प्रदान की तारीख जमा करनी होगी। सरकार उन मामलों में गेहूं निर्यात की अनुमति दे रही है जिसके लिये 13 मई या उससे पहले साख पत्र (एलओसी) जारी किये गये थे। 13 मई को खाद्यान्न के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया गया था। डीजीएफटी के एक नोटिस के अनुसार इन कदमों और क्षेत्रीय प्राधिकरणों की उचित जांच प्रक्रिया के बावजूद यह आशंका है कि कुछ निर्यातक 'अनुचित दस्तावेजों' के आधार पर पंजीकरण प्रमाणपत्र के लिए आवेदन कर रहे हैं। ऐसे में व्यवस्था में और जांच-परख की आवश्यकता है।

इसमें कहा गया है, ''खामियों को दूर करने के लिये, यह निर्णय किया गया है कि क्षेत्रीय प्राधिकरण सभी साख पत्रों का भौतिक रूप से सत्यापन करेंगे। भले ही उसे मंजूरी मिल गयी हो या प्रक्रिया के अधीन हो। इसके लिये अगर जरूरत पड़ी, पेशेवर एजेंसी की मदद ली जा सकती है। भौतिक सत्यापन के साथ प्राप्तकर्ता बैंकों का सत्यापन/अनुमोदन भी सुनिश्चित किया जा सकता है।''

डीजीएफटी ने कहा कि वैसे मामलों में जहां साख पत्र की तिथि 13 मई से पहले है, लेकिन भारतीय और विदेशी बैंक के बीच 'स्विफ्ट' (सोसायटी फॉर वर्ल्डवाइड इंटरबैंक फाइनेंशियल टेलीकम्युनिकेशंस) संदेश 13 मई के बाद का है, क्षेत्रीय प्राधिकरण मामले की पूरी जांच कर सकते हैं। जरूरत पड़ने पर बाहरी विशेषज्ञों की भी मदद ले सकते हैं।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने आईपीएल 2022 के विजेताओं से की मुलाकात, हार्दिक पांड्या को दिया खास उपहार

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 का खिताब गुजरात टाइटंस ने अपने नाम किया है। इसी के साथ ही गुजरात के कप्तान हार्दिक पांड्या की खूब चर्चा हो रही है। क्योंकि पहला सत्र खेल रही गुजरात असाधारण प्रदर्शन के दम पर चैंपियन बनी। गुजरात ने रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 7 विकेट से जीत दर्ज की। जिसके बाद मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सोमवार को गुजरात के खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस दौरान गुजरात के कोच आशीष नेहरा भी मौजूद रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री

को सभी खिलाड़ियों के दस्तखत वाला बल्ला दिया गया।

भूपेंद्र पटेल ने बताया कि गुजरात के खिलाड़ियों के साथ मुलाकात और बातचीत काफी ज्यादा मजेदार रही।मुख्यमंत्री ने हार्दिक पांड्या समेत पूरी टीम से हुई मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर साझा की हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने लिखा कि आईपीएल-2022 में गुजरात टाइटंस के विजेताओं से मिलना, उनके साथ बातचीत करने का मौका बेहद मजेदार निकला। उन्होंने मुझे टीम के सभी खिलाड़ियों के दस्तखत वाला बल्ला दिया है, जिसकी कमाई का इस्तेमाल राज्य की बेटियों की पढ़ाई में किया जाएगा। सभी खिलाड़ियों को बधाई।

हार्दिक पांड्या को दिया खास उपहार-मुख्यमंत्री ने हार्दिक पांड्या को स्मृति चिन्ह भेंट किया। आपको बता दें कि आईपीएल चैंपियन बनने के बाद गुजरात टाइटंस ने गांधीनगर में एक रोड शो किया।

विश्व बैंक ने श्रीलंका को 70 करोड़ डॉलर की राशि जारी करने की मंशा जाहिर की

कोलंबो। विश्व बैंक ने गहरे आर्थिक संकट से गुजर रहे श्रीलंका को 70 करोड़ डॉलर की राशि जारी करने की मंशा जाहिर की है। मौजूदा कर्जों को ही नए मद में आवंटित करने से श्रीलंका को फौरी राहत मिलने की उम्मीद है।

रिपोर्ट के मुताबिक, विश्व बैंक के श्रीलंका प्रमुख चियो कांडा ने पिछले हफ्ते विदेश मंत्री जी एल पेइरिस से मुलाकात के दौरान यह आश्वासन दिया था। उन्होंने कहा कि विश्व बैंक पहले से स्वीकृत परियोजनाओं की राशि पुनर्नियोजित कर जारी करेगा। विदेश मंत्रालय के हवाले से प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, कांडा ने पेइरिस को आश्वासन दिया है कि विश्व बैंक इस बारे में एशियाई विकास बैंक (एडीबी), एशियाई अवसरंचना निवेश बैंक (एआईआईबी) एवं संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के साथ मिलकर काम करेगा। इस दौरान श्रीलंकाई विदेश मंत्री ने कांडा से यह मांग की कि अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) से दीर्घकालिक मदद नहीं मिलने तक विश्व बैंक से मदद मुहैया कराई जाए। इस पर कांडा ने कहा कि आने वाले महीनों में श्रीलंका को 70 करोड़ डॉलर दिए जाएंगे। विदेशी मुद्रा के गहरे संकट और उच्च मुद्रास्फीति के दौर से गुजर रहे श्रीलंका ने आईएमएफ से राहत पैकेज देने का अनुरोध किया हुआ है।

मुद्रक एवं प्रकाशक संजय अग्रवाल द्वारा गोल्ड कॉईन सेवा ट्रस्ट के पक्ष में राजा ऑफसेट प्रिंटर्स, 863/9, नेहरू नगर, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित तथा 54-55, चाणक्यपुरी, अन्नपूर्णा रोड, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संजय अग्रवाल* (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)